

VEER NARMAD SOUTH GUJARAT UNIVERSITY, SURAT

शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ थी अमलमां आवनार अेइ.वाय.डी.अे.

संस्कृत सेमेस्टर- २ नो अब्यासकम

F.Y.B.A. Semester - II

Core Allied : Sanskrit Classical Language Credit - 03

प्रश्नपत्र-२ कृति : कृति भर्तृहरिकृत नीतिशतकम् श्लोक १ थी ७५ कुल गुण - ५०

उद्देश : संस्कृत मुक्तक साहित्यनो तथा शतक काव्य परंपरानो परियय कराववो तथा भारतीय नीतिशास्त्र अंतर्गत आवता विविध विषयो विवेकज्ञानथी अवगत कराववा.

Unit-I : भर्तृहरिनो जवन परियय, दंतकथाओ, कृतिओ, शतक काव्य - पद्य साहित्यना प्रकार, (१२) विशेषता, मूल्यांकन

Unit-II : नीतिशतकम् श्लोक १ थी २५ (१३)

Unit-III : नीतिशतकम् श्लोक २६ थी ५० (१२)

Unit-IV : नीतिशतकम् श्लोक ५१ थी ७५ (१३)

संदर्भ ग्रन्थो

१. नीतिशास्त्र की रूपरेखा - अशोककुमार वर्मा MLBD
२. भर्तृहरिशतकम् - नीतिशतकम् वैराग्यशतकम् जगदीश्वरानंद सरस्वती स्वामी, सुबोध पब्लिकेशन, दिल्ली - १९९६
३. भर्तृहरि रचित नीतिशतकम्, मनोरमा संस्कृत हिन्दी व्याख्या विभूषितम्, ओमप्रकाश पाँडेय, चौखम्बा आम्रभारती प्रकाशन, वाराणसी - १९८२
४. The Wisdom of Bhartrihari's Neetishatak by Bhartrihari : Navnit Parekh, hind pocket books Delhi - 1995
५. Nitishatakam of Bhartrihari with Sanskrit Commentry and Hindi - English translation, Rajeshwar Shastri Musalgaonkar, Edit by Suresh Kumar Awasthi, Chaukhambha Sanskrit Bhavan, Varanasi - 2004
६. नीतिशतकम् - लवज्जभाई लक्त, मनसुष सावदिया, प्रविश पुस्तक भंडार, राजकोट
७. नीतिशतकम् - सं. प्रा. जतीन पंड्या, गजानन पुस्तकालय, सुरत.

F.Y.B.A. Semester - II

Core Course & Elective Course

Credit - 03

प्रश्नपत्र-उ (A) संस्कृत प्रशिष्ट महाकाव्य

कुल गुण - ५०

कृति - कालिदासकृत कुमारसंभवम् - सर्गः - ५

उद्देश : प्रशिष्ट महाकाव्यनो परियय करावी संस्कृत पद्य साहित्यना प्रकारोभां महाकाव्यनुं स्वरूप - लक्षण साथे अलंकृत कृतिनो अभ्यास कराववो.

Unit-I	: पद्यना प्रकारो, महाकाव्यनुं स्वरूप - लक्षण. कालिदासनुं जवन तथा कवन-समय.	(१२)
Unit-II	: कुमारसंभवम् - सर्ग - ५ - श्लोक १ थी ३०	(१३)
Unit-III	: कुमारसंभवम् - सर्ग - ५ - श्लोक ३१ थी ६०	(१२)
Unit-IV	: कुमारसंभवम् - सर्ग - ५ - श्लोक ६१ थी ८६	(१३)

संदर्भ ग्रन्थो :-

१. कुमारसंभवम् - मल्लिनाथकृत संजीवनी टीका सहितं - चौखम्बा, वाराणसी
२. History of Sanskrit Literature - A. K. Warder, Delhi.
३. Kalidasa A Critical Study - A. D. Singh - Bhartiya Vidyaprakashan, Varanasi
४. संस्कृत साहित्यनो ईतिहास - अे. डी. शास्त्री.
५. संस्कृत महाकाव्य - केशवराम मूसलगांवकर, चौखम्बा, वाराणसी, ६३.
६. Kalidasa - V. V. Mirashi
७. Hindu Mythology - E. W. Hopkins.
८. Hindu Mythology - Vedic and Puranic - E. J. Wilkins.
९. A New History of Sanskrit Literature - Krishna Chaitanya

F.Y.B.A. Semester - II

Core Course & Elective Course

Credit - 03

प्रश्नपत्र-उ (B) संस्कृत प्रशिष्ट महाकाव्य

कुल गुण - ५०

कृति - अश्वघोष प्रणित बुद्धचरित - सर्ग - ३

उद्देश : प्रशिष्ट महाकाव्यनो परियय करावी संस्कृत पद्य साहित्यना प्रकारोमां महाकाव्यनुं स्वरूप - लक्षण साथे अलंकृत कृतिनो अभ्यास कराववो.

- Unit-I** : पद्यना प्रकारो, महाकाव्यनुं स्वरूप - लक्षण. अश्वघोषनुं जवन समय तथा कवन. (१२)
- Unit-II** : बुद्धचरित - सर्ग - ३ - श्लोक १ थी २२ (१३)
- Unit-III** : बुद्धचरित - सर्ग - ३ - श्लोक २३ थी ४४ (१२)
- Unit-IV** : बुद्धचरित - सर्ग - ३ - श्लोक ४५ थी ६५ (१३)

संदर्भ ग्रन्थो :-

१. History of Sanskrit Literature - A. K. Warder, Delhi.
२. A New History of Sanskrit Literature - Krishna Chaitanya.
३. संस्कृत साहित्यनो इतिहास - अ. डी. शास्त्री.
४. संस्कृत महाकाव्य - केशवराम मूसलगांवकर, चौखम्बा, वाराणसी, ६३.
५. अश्वघोष महाकाव्य - संपादक और अनुवादक, सूर्यनारायण चौधरी,
Published by motilal banaridass publishers pvt. ltd. 2008
६. घम्मपदम् - अनुवादक, महापण्डित "त्रिपिटकाचार्य" राहुल सांकृत्यायन, प्रयाग-१९३३ ई.
७. Hindu Mythology - Vedik and Puranic - E. J. Wilkins.
८. Buddhacharita - Acts of the Buddha, Johnston,
E.H. tr., Motilal Benarsidass, New Delhi, 1998
९. A History of Indian Buddhism, From Sakyamuni to Early Mahayana, (tr. & ed.)
Hirakawa, Akira, Paul Groner, Delhi : Motilal Banarasidass, 1998
१०. अश्वघोषप्रणित् बुद्धचरित : एक अध्ययन, संजयकुमार तिवारी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स - दिल्ली - २००२
११. अश्वघोष की कृतिओका दार्शनिक अध्ययन, संजयकुमार तिवारी, ईस्टर्न बुक लिंकर्स - दिल्ली - २००६

F.Y.B.A. Semester - II

Core Course & Elective Course

Credit - 03

प्रश्नपत्र-४ (A) संस्कृत गद्यसाहित्य - कथासाहित्य

कुल गुण - ५०

कृति - दण्डिन्कृत दशकुमारचरितम् - उच्छवास - ६

उद्देश : संस्कृत गद्यकाव्यनो परिचय करावी गद्यना प्रकारोमां कथा - आप्यायिकाना लक्षणो साथे कृतिनो अभ्यास करवो.

- Unit-I** : गद्यसाहित्यनी उत्पत्ति, विकास, गद्यसाहित्यना प्रकारो - कथा, आप्यायिका, स्वरूप - लक्षण (१२)
- मूल्यांकन दंडी - शिवन, कवन, समय - गद्यकार - वार्ताकार, पदलाहित्य वगेरे.
- Unit-II** : दशकुमारचरितम् - उच्छवास - ६ (१३)
- Unit-III** : दशकुमारचरितम् - उच्छवास - ६ (१२)
- Unit-IV** : दशकुमारचरितम् - उच्छवास - ६ (१३)

संदर्भ ग्रन्थो :-

१. संस्कृत साहित्यनो परिचयात्मक इतिहास - अभूत उपाध्याय,
संस्कृत सेवा समिति, अमदावाद.
२. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय - चौखम्बा, वाराणसी.
३. दशकुमारचरितम् - P. V. Kane
४. दशकुमारचरितम् - चौखम्बा संस्कृत विद्याभवन, वाराणसी.
५. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला - चौखम्बा, वाराणसी.

F.Y.B.A. Semester - II

Core Course & Elective Course

Credit - 03

प्रश्नपत्र-४ (B) संस्कृत गद्यसाहित्य - कथासाहित्य

कुल गुण - ५०

कृति - दण्डिन्कृत दशकुमारचरितम् - उच्छवास - ८

उद्देश : संस्कृत गद्यकाव्यनो परिचय करावी गद्यना प्रकारोमां कथा - आभ्यायिकाना लक्षणो साथे कृतिनो अभ्यास करवो.

- Unit-I** : गद्यसाहित्यनी उत्पत्ति, विकास, गद्यसाहित्यना प्रकारो - कथा, आभ्यायिका, स्वरूप - लक्षण (१२)
- मूल्यांकन दंडी - शिवन, कवन, समय - गद्यकार - वार्ताकार, पदलादित्य वगेरे.
- Unit-II** : दशकुमारचरितम् - उच्छवास - ८ (१३)
- Unit-III** : दशकुमारचरितम् - उच्छवास - ८ (१२)
- Unit-IV** : दशकुमारचरितम् - उच्छवास - ८ (१३)

संदर्भ ग्रन्थो :-

१. संस्कृत साहित्यनो परिचयात्मक इतिहास - अमृत उपाध्याय,
संस्कृत सेवा समिति, अमदावाद.
२. संस्कृत साहित्य का इतिहास - बलदेव उपाध्याय - चौखम्बा, वाराणसी.
३. दशकुमारचरितम् - P. V. Kane
४. दशकुमारचरितम् - चौखम्बा संस्कृत विद्याभवन, वाराणसी.
५. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला - चौखम्बा, वाराणसी.